जयपुर जिले की चौमूं तहसील में सामाजिक–आर्थिक बदलाव में जल संसाधनों की भूमिका

अजय यादव

परिचय

मनुष्य आदिकाल से ही जल संसाधन का उपयोग विविध स्त्रोतों से विविध कार्यों में करता आ रहा है। जनसंख्या बढ़ने के साथ–साथ जल संसाधनों के उपयोग में परिवर्तन होने लगा। शोध का अध्ययन क्षेत्र चौमूं तहसील है, जो राजस्थान राज्य के पूर्वी भाग में विस्तृत जयपुर जिले में स्थित तहसील है। चौमूं तहसील में 2001 में कुल जनसंख्या 3,26,488 थी तथा 2011 में जनसंख्या 3,95,009 हो गयी है। जिसका वितरण चौमूं तहसील के सभी गांवों में समान नही है क्योंकि जनसंख्या वितरण पर उच्चावच, जलवायु, मिट्टी, धरातल, जलापूर्ति, आर्थिक संसाधन (परिवहन, खनिज), सामाजिक–सांस्कृतिक आदि कारक प्रभावित करते हैं। चौमूं तहसील के पूर्वी, दक्षिणी मध्यवर्ती भाग में जनसंख्या का अधिकतम भाग पाया जाता है। चौमूं कस्बे में नगरीय सुविधाओं के कारण सघन जनसंख्या निवास करती है।

सिंचित क्षेत्रफलः

चौमूँ तहसील में जल संसाधनों ने सिंचित क्षेत्रफल को प्रभावित किया है। प्राचीन काल में सिंचाई के साधनों में प्रमुख रूप से कुऐं, तालाब, नहरें इत्यादि उपयोग में आते थे जबकि वर्तमान समय में सिंचाई के साधन भी सीमित हो गये हैं। वर्तमान में तहसील में केवल नलकूप व कुऐं ही सिंचाई के काम में लिये जा रहे हैं।

तालिका 1: चौमूँ तहसील में सिंचित क्षेत्रफल

(हैक्टेयर में)

साधन	विशुद्ध सिंचित क्षेत्रफल	कुल सिंचित क्षेत्रफल
नलकूप व कुऐं	57967	34095
तालाब	0	0
नहरें	0	0
अन्य	0	0
कुल	57967	34095

स्रोत : कार्यालय, जिला कलेक्टर, जयपुर।

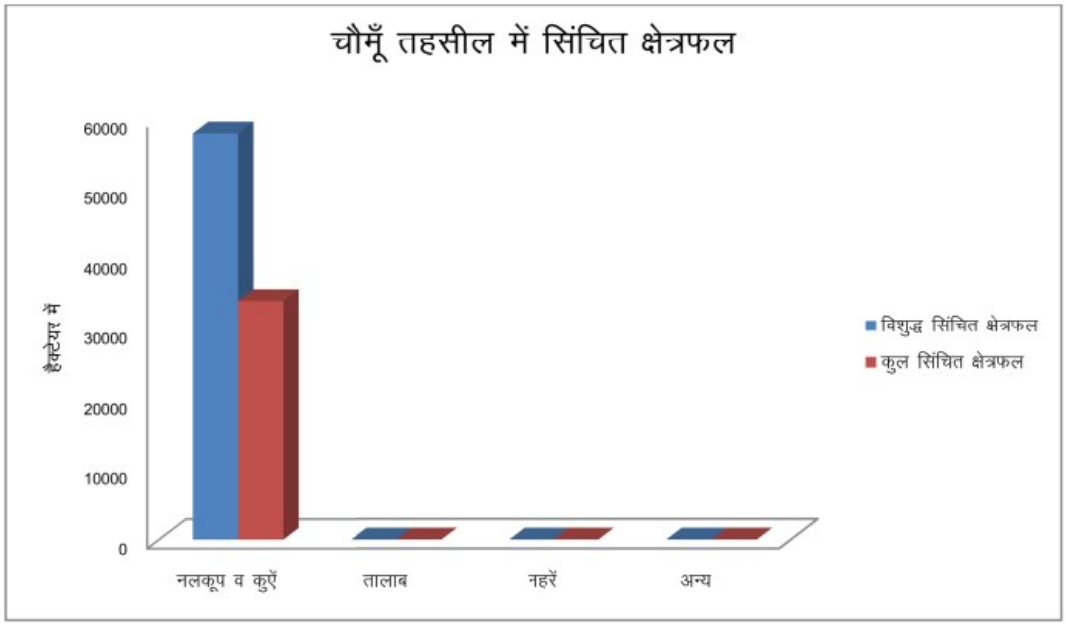

आरेख 1 : चौमूँ तहसील में सिंचित क्षेत्रफल

चौमूँ तहसील में विशुद्ध सिंचित क्षेत्रफल वर्ष 2013–14 में 57967 हैक्टेयर रहा हैं। इन फसलों का क्षेत्रफल 34095 हैक्टेयर ही रहा है।

खाद्यान्न फसलः

चौंमूँ तहसील में लगभग सभी प्रकार की खाद्यान्न फसलें बोई जाती हैं। इन फसलों का क्षेत्रफल सिंचाई के साधनों पर ही निर्भर करता है। तहसील में खाद्यान्न फसलों के अनुसार सिंचित क्षेत्रफल 31188 हैक्टेयर रहा है जिसमें सर्वाधिक गेहूँ (58.49 प्रतिशत) और जौ (36.41 प्रतिशत) का रहा है।

तालिका 2 : चौमूँ तहसील खाद्यान्न फसलों के अनुसार सिंचित क्षेत्रफल

फसल	क्षेत्रफल (हैक्टेयर में)	प्रतिशत में
बाजरा	1025	3.29
ज्वार	6	0.02
गेहूँ	18241	58.49
मक्का	39	0.13
जौ	11356	36.41
छोटे धान	0	0.00
चावल	0	0.00
चना	520	1.67
तूर	0	0.00
अन्य रबी दालें	1	0.00
अन्य रबी दालें	0	0.00
कुल	31188	100

स्रोतः कार्यालय, जिला कलेक्टर, जयपुर

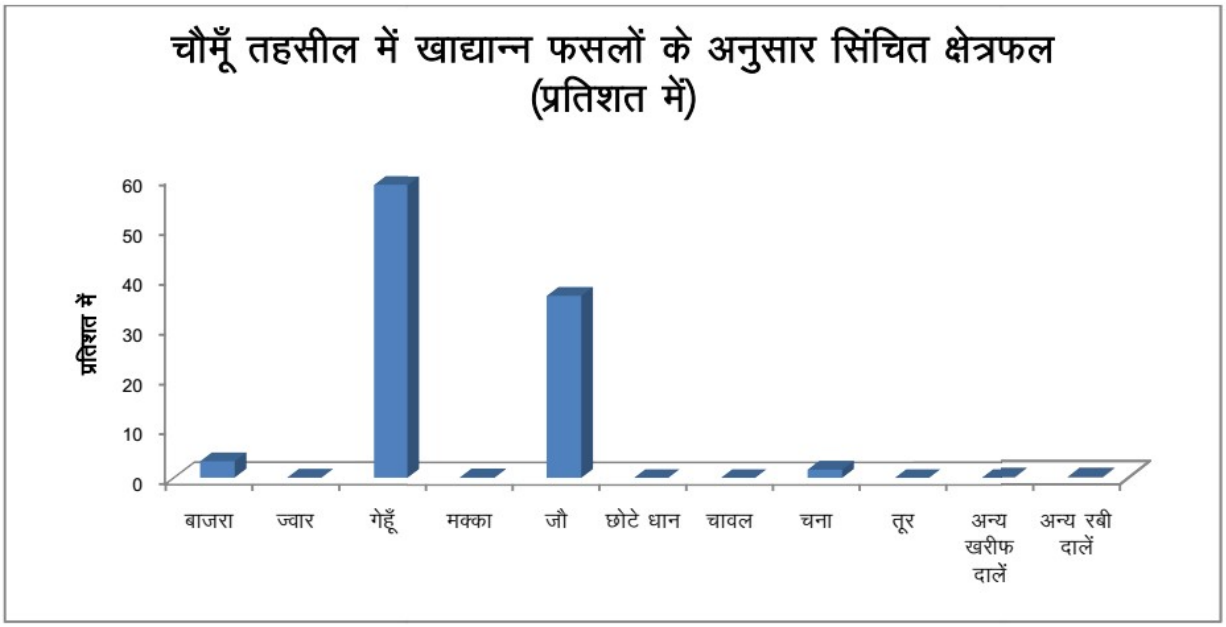

आरेख 2 : चौमूँ तहसील में खाद्यान्न फसलों के अनुसार सिंचित क्षेत्रफल

इनके अतिरिक्त बाजरा (3.29 प्रतिशत), चना (1.67 प्रतिशत) तथा मक्का (0.13 प्रतिशत) क्षेत्रफल पर ही बोया गया है।

तिलहन फसलः

चौमूँ तहसील में खाद्यान्न फसलों की भांति ही तिलहन फसलों का सिंचित क्षेत्रफल भी अधिक है। तहसील में तिलहन फसलों के अनुसार सिंचित क्षेत्रफल 19124 हैक्टेयर है। जिसमें सर्वाधिक मूँगफली फसल का है।

तालिका 3 : चौमूँ तहसील तिलहन फसलों के अनुसार सिंचित क्षेत्रफल

फसल	क्षेत्रफल (हैक्टेयर में)	क्षेत्रफल (प्रतिशत में)
तिल	4	0.02
राई व सरसों	9380	49.05
तारामीरा	37	0.19
अलसी	0	0.00
मूँगफली	9703	50.74
अरण्ड़ी	0	0.00
कुल	19124	100.00

स्रोतः कार्यालय, जिला कलेक्टर, जयपुर।

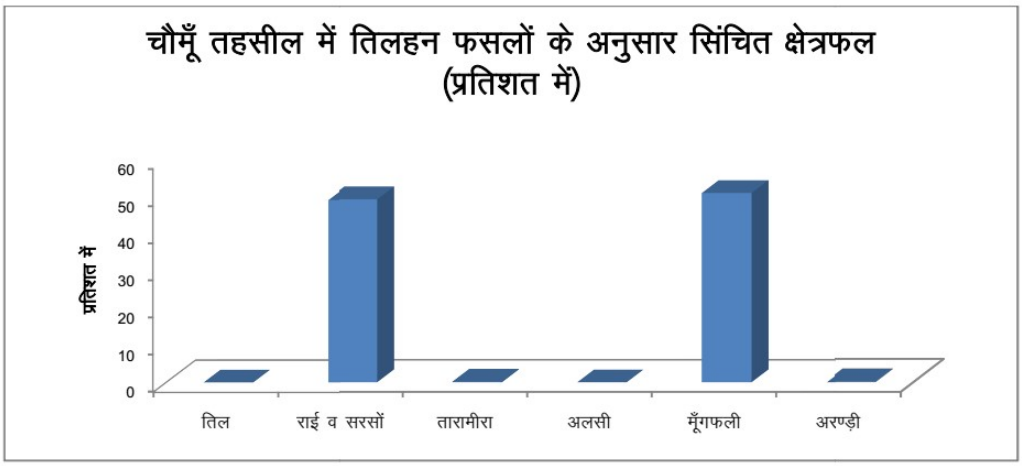

आरेख 3 : चौमूँ तहसील में तिलहन फसलों के अनुसार सिंचित क्षेत्रफल

अध्ययन क्षेत्र में तिलहन फसलों के अनुसार सिंचित क्षेत्रफल में मूँगफली 50.74 प्रतिशत, राई व सरसों 49.05 प्रतिशत, तारामीरा 0.19 प्रतिशत तथा तिल 0.02 प्रतिशत रहा है।

नकदी फसलः

चौमूँ तहसील में नकदी फसलों के अनुसार सिंचित क्षेत्रफल केवल सब्जियों का ही है जिसमें मुख्य रूप से मिर्च बोई जाती हैं। अध्ययन क्षेत्र में 112 हैक्टेयर पर मिर्च बोई गई है जो कि नकदी फसलों का शत प्रतिशत है।

तालिका 4 : चौमूँ तहसील नकदी फसलों के अनुसार सिंचित क्षेत्रफल

फसल	क्षेत्रफल (हैक्टेयर में)	प्रतिशत में
कपास	0	0
गन्ना	0	0
तम्बाकू	0	0
मिर्च	112	100
आलू	0	0
सण	0	0

स्रोतः कार्यालय, जिला कलेक्टर, जयपुर।

अध्ययन क्षेत्र के कृषक मिर्च को बाजार मण्ड़ी तक पहुँचा कर अच्छा लाभ प्राप्त कर रहे हैं जिससे उनकी सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार आया है।

कुओं की स्थितिः

अध्ययन क्षेत्र सिंचाई के साधनों में केवल कुऐं एवं नलकूपों की ही काम में लिया जाता है। तहसील में कुल कुओं की संख्या 13634 है जिसमें से 10209 उपयोगी हैं तथा 3425 अनुपयोगी हैं।

तालिका 5 : चौमूँ तहसील कुओं की स्थिति

स्थिति	संख्या	प्रतिशत में
उपयोगी	10209	74.88
अनुपयोगी	3425	25.12
कुल	13634	100

स्रोत : कार्यालय, जिला कलेक्टर, जयपुर।

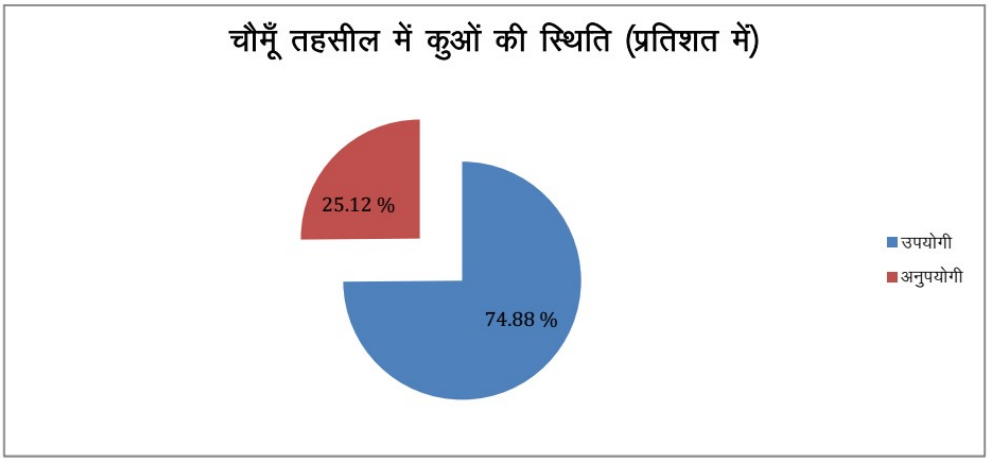

आरेख 4 : चौमूँ तहसील में कुओं की स्थिति

अध्ययन क्षेत्र में उपयोगी कुओं का प्रतिशत 74.88 है तथा अनुपयोगी कुऐं 25.12 प्रतिशत हैं जो या तो सूखे है या फिर तकनीकी कमी के कारण काम में नहीं आ पा रहे हैं।

शक्ति चालित साधन :

अध्ययन क्षेत्र में शक्ति चालित साधनों में बिजली से चलने वाले या इंजन से चलने वाले यत्रं शामिल होते हैं। तहसील में दो प्रकार के शक्ति चालित साधनों की उपलब्धता है जिसमें नलकूप और पम्पिंग सेट हैं। चौमूँ तहसील में शक्ति चालित साधनों की कुल संख्या 29015 हैं।

तालिका 6 : चौमूँ तहसील शक्ति चालित सिंचाई के साधन

साधन	संख्या	प्रतिशत में
नलकूप	15381	53.01
पम्पिंग सेट	13634	46.99
कुल	29015	100

स्रोत : कार्यालय, जिला कलेक्टर, जयपुर।

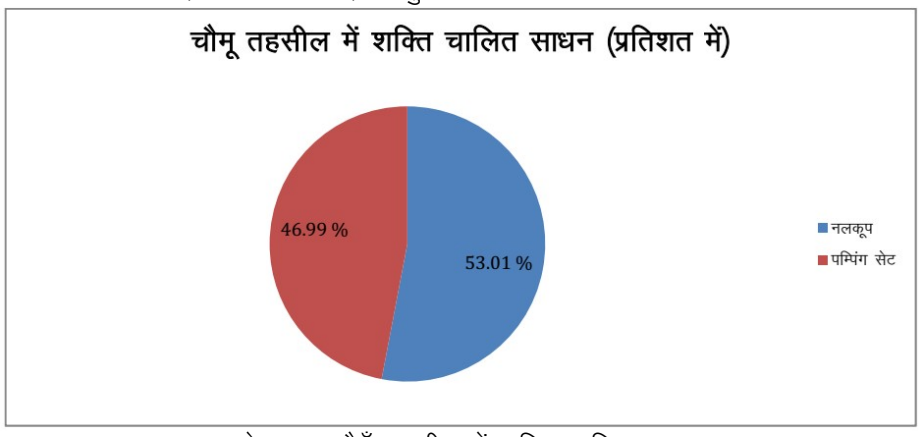

आरेख 5 : चौमूँ तहसील में शक्ति चालित साधन

अध्ययन क्षेत्र में नलकूपों की संख्या 15381 है जो कुल शक्ति चालित साधनों का 53.01 प्रतिशत है तथा पम्पिंग सेटों की संख्या 13634 है जिनका प्रतिशत 46.99 है।

निष्कर्षः

चौमूँ तहसील के पश्चिमी भाग में भू–जल स्तर का अधिक गहराई पर पाया जाना तथा कुल मात्रा में कमी, अर्द्धशुष्क जलवायु दशाओं का विस्तार मध्यम उपजाऊ बलुई मिट्टी आदि के कारण कम जनसंख्या पाई जाती है। किसी क्षेत्र विशेष के सन्तुलित विकास के लिये जल संसाधनों का यथोचित उपयोग होना आवश्यक है। चौमूँ तहसील में जल संसाधनों में प्रमुख रूप से कुओं व नलकूपों का उपयोग कृषि कार्यों हेतु किया जाता रहा है। वर्तमान में अनेकों प्रकार की तकनीकों ने इस जल उपयोग को कृषि क्षेत्र में सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है, जैसे– फव्वारा सिंचाई, बूंद–बूंद सिंचाई पद्धति आदि। इन तकनीकों के प्रयोग से कृषक कम खर्चे में अधिक लाभ का फायदा प्राप्त कर रहे हैं जिससे यहाँ के कृषकों के सामाजिक स्तर में भी सकारात्मक बदलाव आया है। गिरते जल स्तर को मध्य नजर रखते हुये यहाँ के कृषकों ने कम खर्चे में अधिक लाभ प्रदान करने वाली फसलों और सब्जियों को चुना है जिससे भी यहाँ के कृषकों की आय में वृद्धि हुई है।

व्याख्याता, सुबोध पी.जी. महाविद्यालय, जयपुर

सन्दर्भः

Surya, K. 1987. A Spatial Perspective on District Administration in Rajasthan, A, Vol. VII, pp. 109-115.

Roy, M. and Wojtczak, A. (2009) : Global minimum essential requirements: a road towards competence oriented medical education, Institute for International Medical Education, White Plains, New York. pp. 125-129.

Sharma, R.N. 2010. Socio-Economic Development in Chittorgarh District of Rajasthan, A, Vol. XXVII, pp. 76-80.

Sinha, S. and Baraik, V.K. 1998-1999. Disparities in the Levels of Development in Bihar, 1961-1991, A, Vol. XV-XVI, pp. 51-70.

Taffe, E.L. and Gautir, H.L. 1973. Geography of Transportation, Prentice Hall, England.

Statistical Abstract of Rajasthan 2013-14. Government of Rajasthan, Jaipur

आर्थिक समीक्षा 2013–14, राजस्थान सरकार, जयपुर

आर्थिक समीक्षा 2014–15, राजस्थान सरकार, जयपुर

प्रतिवेदन जनगणना विभाग 2011, भारत सरकार, जनगणना विभाग, जयपुर